INDIAN EXPRESS, Delhi, 24.12.2023
Page No. 15, Size:(6.40)cms X (2.50)cms.

CRUDE WATCH

OIL EASES AHEAD OF CHRISTMAS

New York: Oil prices eased on Friday ahead of the long Christmas holiday weekend on expectations Angola could increase output after leaving OPEC, but rose for the week on positive US economic news and worries Houthi ship attacks would boost supply costs. **REUTERS**

The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
Sun, 24 December 2023
https://epaper.indianex

DAINIK JAGRAN, Delhi, 24.12.2023
Page No. 14, Size:(6.72)cms X (6.55)cms.

एनईसीपी की गति में तेजी लाएगी सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: इस साल नवंबर में सरकार ने नेशनल एफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम (एनईसीपी) लांच किया था। अब इस कार्यक्रम की गति तेज करने की तैयारी चल रही है। सूत्रों के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत बड़े शहरों में पूरी तरह से बिजली से चलने वाले कुकिंग स्टोव के प्रचलन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसी प्रकार, टियर-2 व टियर-3 शहरों में ग्रिड कनेक्टेड सोलर आधारित इंडक्शन कुकिंग स्टोव का इस्तेमाल किया जाएगा। ग्रामीण इलाके में बैटरी स्टोरेज की सुविधा वाले सोलर इंडक्शन स्टोव को प्रोत्साहित किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि सरकारी पेट्रोलियम कंपनी आइओसी की ओर से विकसित सूर्या नूतन इंडोर सोलर कुकिंग स्टोव का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की तैयारी चल रही है। सूर्या नूतन रिचार्जेबल इंडोर कुकिंग साल्यूशन है जो सूर्य से ऊर्जा प्राप्त कर उसे ऊष्मा में परिवर्तित करता है। इसके लिए उसके भीतर विशेष प्रकार का हीटिंग तत्व लगाया गया है। सूर्या नूतन का देश के पांच शहरों में ट्रायल भी किया गया है और यह स्टोव चार व्यक्ति का खाना पकाने के लिए सक्षम है। नवंबर में कार्यक्रम की लांचिंग के समय कहा गया था बिजली मंत्रालय के अधीन काम करने वाली सार्वजनिक कंपनी ईईएसएल सस्ते दाम पर 20 लाख इंडक्शन कुकिंग स्टोव का वितरण करेगी। अभी ईईएसएल सस्ते दाम पर कम बिजली खपत करने वाले पंखे व एसी का वितरण बिजली कंपनियों के माध्यम से कर रही है। सूत्रों का कहना है कि इस माडल को अपना कर स्टार रेटिंग वाले बिजली के कुकिंग स्टोव का वितरण बड़े शहरों में किया जाएगा।

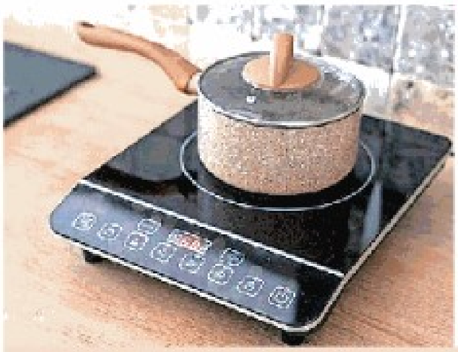

- बड़े शहरों में बिजली से चलने वाले कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने की योजना
- ग्रामीण क्षेत्र में बैटरी स्टोरेज वाले सोलर इंडक्शन को किया जाएगा प्रोत्साहित

कार्बन उत्सर्जन में आएगी कमी

बिजली से खाना पकाने का चलन बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। गैस सिलेंडर का इस्तेमाल कम होने से आयात बिल भी कम होगा। हालांकि, सरकार के पास अभी इस बात को लेकर कोई आंकड़ा नहीं है कि भारत में कितने लोग बिजली पर खाना पकाते हैं।